आज गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों को 8.3 करोड़ रू. का भुगतान करेंगे मुख्यमंत्री

- गोबर से अब तक 9,709 लीटर प्राकृतिक पेंट निर्मित
- 4854 लीटर प्राकृतिक पेंट के विक्रय से 11 लाख से अधिक की आय
- गोबर से प्राकृतिक पेंट उत्पादन की 38 इकाईयां निर्माणाधीन
- गौठानों में अब तक 1 लाख 20 हजार 171 लीटर गौमूत्र क्रय
- ब्रम्हास्त्र और जीवामृत की बिक्री से 24 लाख की आय

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 20 जनवरी को मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में गोधन न्याय योजना के राशि अंतरण के लिए आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से पशुपालक ग्रामीणों, गौठानों से जुड़ी महिला समूहों और गौठान समितियों को 8 करोड़ 3 लाख रूपए की राशि ऑनलाइन जारी करेंगे, जिसमें 01 जनवरी से 15 जनवरी 2023 तक गौठानों में पशुपालक ग्रामीणों, किसानों, भूमिहीनों से क्रय 2.13 लाख क्विंटल गोबर के एवज में 4 करोड़ 27 लाख रूपए, गौठान समितियों को 2.23 करोड़ रूपए और महिला समूहों को 1.53 करोड़ रूपए की लाभांश राशि शामिल हैं।

यहां यह उल्लेखनीय है कि गोधन न्याय योजना के तहत गोबर खरीदी के एवज में विक्रेताओं को अंतरित की जाने वाली 4.27 करोड़ रूपए की राशि में से मात्र 1.75 करोड़ की राशि कृषि विभाग द्वारा तथा 2.52 करोड़ रूपए का भुगतान स्वावलंबी गौठानों द्वारा किया जाएगा। गौरतलब है कि राज्य में अब तक 4690 गौठान स्वावलंबी हो चुके हैं, जो स्वयं की जमा पूंजी से गोबर क्रय करने लगे हैं। स्वावलंबी गौठानों द्वारा अब तक 37.71 करोड़ रूपए का गोबर स्वयं की राशि से क्रय कर भुगतान किया गया है।

गौठानों में बनने और बिकने लगा गोबर से बना प्राकृतिक पेंट- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप राज्य में पशुधन के संरक्षण और संवर्धन के लिए स्थापित गौठान तेजी से ग्रामीण औद्योगिक पार्क के रूप में विकसित होने लगे हैं। गौठानों में विविध आयमूलक गतिविधियों के संचालन के साथ-साथ नवाचार के रूप में गोबर से प्राकृतिक पेंट का उत्पादन भी शुरू हो गया है। वर्तमान में गोबर से प्राकृतिक पेंट बनाने के लिए 4 इकाईयां चालू हैं, जिनमें से रायपुर में दो और दुर्ग तथा कांकेर जिले में एक-एक यूनिट संचालित है। इन 4 क्रियाशील यूनिटों के माध्यम से अब तक 9709 लीटर प्राकृतिक पेंट का उत्पादन किया गया है, जिसमें से 4854 लीटर प्राकृतिक पेंट के विक्रय से 11 लाख 19 हजार 903 रूपए की आय अर्जित हुई है। राज्य के 28 जिलों के 38 चिन्हित गौठानों में गोबर से प्राकृतिक पेंट बनाने की यूनिट स्थापना की कार्यवाही तेजी से पूरी की जा रही है। जनवरी माह के अंत तक यह सभी यूनिटें गोबर से प्राकृतिक पेंट का उत्पादन करने लगेंगी।

गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों को 395.35 करोड़ का भुगतान- गोधन न्याय योजना के तहत राज्य में हितग्राहियों को 387 करोड़ 32 लाख रूपए का भुगतान किया जा चुका है। 20 जनवरी को 8.03 करोड़ के भुगतान के बाद यह आंकड़ा 395 करोड़ 35 लाख रूपए हो जाएगा। यह यहां उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य में 20 जुलाई 2020 से गोधन न्याय योजना के तहत 2 रूपए किलो में गोबर की खरीदी की जा रही है। राज्य में 15 जनवरी तक 100.86 लाख क्विंटल गोबर की खरीदी की गई है। गोबर विक्रेताओं से 31 दिसम्बर तक क्रय किए गए गोबर के एवज में 197.85 करोड़ रूपए का भुगतान किया जा चुका है। 20 जनवरी को गोबर विक्रेताओं को 4.27 करोड़ रूपए के भुगतान के बाद यह आंकड़ा 201 करोड़ 72 लाख रूपए हो जाएगा। गौठान समितियों एवं महिला स्व-सहायता समूहों को 171 करोड़ 88 लाख रूपए का भुगतान किया जा चुका है। गौठान समितियों तथा स्व-सहायता समूह को 20 जनवरी को 3.76 करोड़ रूपए के भुगतान के बाद यह आंकड़ा बढ़कर 175.64 करोड़ रूपए हो जाएगा।

23.98 लाख रूपए का बिक चुका ब्रम्हास्त्र और जीवामृत- राज्य के गौठानों में 4 रूपए लीटर की दर से गोमूत्र की खरीदी की जा रही है। गौठानों में अब तक एक लाख 20 हजार 171 लीटर गौमूत्र क्रय किया जा चुका है। इससे गौठानों में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा 44,964 लीटर कीट नियंत्रक ब्रम्हास्त्र और 20,318 लीटर वृद्धिवर्धक जीवामृत तैयार किया गया है। 53,025 लीटर ब्रम्हास्त्र और जीवामृत की बिक्री से अब तक कुल 23 लाख 98 हजार 815 रूपए की आय हुई है।

गोबर से 27 लाख कम्पोस्ट खाद का उत्पादन- गौठानों में महिला समूहों द्वारा अब तक कुल 27 लाख एक हजार 630 क्विंटल से अधिक कम्पोस्ट का उत्पादन किया गया है। जिसमें 21 लाख 23 हजार 938 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट, 5.42 लाख क्विंटल से अधिक सुपर कम्पोस्ट एवं 18,924 क्विंटल सुपर कम्पोस्ट प्लस खाद शामिल है, जिसे सोसायटियों के माध्यम से क्रमशः 10 रूपए, 6 रूपए तथा 6.50 रूपए प्रतिकिलो की दर पर विक्रय किया जा रहा है। महिला समूह गोबर से खाद के अलावा गो-कास्ट, दीया, अगरबत्ती, मूर्तियां एवं अन्य सामग्री का निर्माण एवं विक्रय कर लाभ अर्जित कर रही हैं। गौठानों में महिला समूहों द्वारा इसके अलावा सब्जी एवं मशरूम का उत्पादन, मुर्गी, बकरी, मछली पालन एवं पशुपालन के साथ-साथ अन्य आय मूलक विभिन्न गतिविधियां का संचालन किया जा रहा है, जिससे महिला समूहों को अब तक 105 करोड़ 18 लाख रूपए की आय हो चुकी हैं। राज्य में गौठानों से 11,477 महिला स्व-सहायता समूह सीधे जुड़े हैं, जिनकी सदस्य संख्या 1,31,898 है। गौठानों में क्रय गोबर से विद्युत एवं प्राकृतिक पेंट सहित अन्य सामग्री का भी उत्पादन किया जा रहा है।

गोधन न्याय से 3 लाख 98 हजार से अधिक ग्रामीण पशुपालक लाभान्वित- राज्य में गोधन के संरक्षण और संवर्धन के लिए गांवों में गौठानों का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। गौठानों में पशुधन देख-रेख, उपचार एवं चारे-पानी का निःशुल्क प्रबंध है। राज्य में अब तक 10,921 गांवों में गौठानों के निर्माण की स्वीकृति दी गई है, जिसमें से 9596 गौठान निर्मित एवं शेष गौठान निर्माणाधीन है। गोधन न्याय योजना से 3 लाख 98 हजार 166 ग्रामीण, पशुपालक किसान लाभान्वित हो रहे हैं।

गौठानों में 15.68 लाख क्विंटल धान पैरा एकत्र- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अपील पर राज्य के किसानों द्वारा अपने गांवों के गौठानों को पैरादान किए जाने का सिलसिला अनवरत रूप से जारी है। राज्य के किसान भाई पैरा को खेतों में जलाने के बजाय उसे गौमाता के चारे के प्रबंध के लिए, गौठान समितियों को दे रहे हैं। ऐसे किसान भाई जिनके पास पैरा परिवहन के लिए ट्रेक्टर या अन्य साधन उपलब्ध है, वह स्वयं धान कटाई के बाद पैरा गौठानों में पहुंचाकर इस पुनीत कार्य में सहभागिता निभा रहे हैं। गौठान समितियों द्वारा भी किसानों से दान में मिले पैरा का एकत्रीकरण कराकर गौठानों में लाया जा रहा है। गौठानों में अब तक 15 लाख 68 हजार क्विंटल पैरा गौमाता के चारे के लिए उपलब्ध है।

महत्वपूर्ण एवं खास

पटवारी प्रशिक्षण शाला में प्रवेश हेतु प्रावधिक पात्रता सूची जारी

30 जनवरी तक दावा आपत्ति आमंत्रित

रायगढ़। पटवारी प्रशिक्षण चयन परीक्षा 2022 के परिणाम तथा दिनांक 17 सितम्बर एवं 10 अक्टूबर 2022 को दस्तावेज सत्यापन पश्चात् माननीय उच्च न्यायालय के प्रकरण क्रमांक में पारित आदेश के संबंध में विचाराधीन प्रकरण में पारित किये जाने वाले अंतिम निर्णय के अध्यधीन जिला-रायगढ़ से पटवारी प्रशिक्षण शाला में प्रवेश हेतु प्रावधिक पात्रता सूची का प्रकाशन 18 जनवरी 2023 को किया गया है। उपरोक्त सूची के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वे दस्तावेजों सहित 30 जनवरी 2023 तक कार्यालयीन समयावधि में कलेक्ट्रेट रायगढ़ के कक्ष क्रमांक 90 में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं किया जावेगा। प्रावधिक पात्रता सूची का अवलोकन रायगढ़ जिले की बेवसाइट https://raigarh.gov.in तथा कार्यालय कलेक्टर रायगढ़ के सूचना पटल में कर सकते है।

बाइक की टक्कर से महिला की मौत

रायपुर (आरएनएस)। एक्सप्रेस वे पुलिया ढलान के पास एक तेज रफ्तार बाइक ने पैदल जा रही महिला को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे महिला की मौत हो गई। मामले में तेलीबांधा पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतिका ज्योत्सना बाला 45 वर्ष सतनामीपारा तेलीबांधा की रहने वाली थी। बताया जाता है कि वह कल शाम पैदल कहीं जा रही थी, तभी एक्सप्रेस वे पुलिया ढलान के पास बाइक क्रमांक सीजी 04 एनएन 4308 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए महिला को टक्कर मार दिया। जिससे गंभीर रूप से घायल महिला की मौत हो गई। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने आरोपी बाइक चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

खाद्य विभाग और मंडी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा 535 बोरी धान किया गया जब्त

- जिले में अवैध धान परिवहन पर कार्यवाही जारी

सारंगढ़-बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ. फरिहा आलम सिद्दकी के निर्देशानुसार जिले में अवैध धान परिवहन के खिलाफ लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 18 जनवरी को खाद्य विभाग और मंडी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा धान जप्ती की एक बड़ी कार्यवाही की गई। संयुक्त टीम फूड इंस्पेक्टर विद्यानंद पटेल, कृष्ण राठौर और मंडी उपनिरीक्षक दिलीप कुमार द्वारा सारंगढ़ के ग्राम हिर्री स्थित मंगलम् राइस मिल के बाहर वाहन क्रमांक-सीजी 14 ए-4100 में लदे हुए 535 बोरी धान जप्त कर कृषि उपज मंडी सारंगढ़ में सुपुर्द किया गया।

उक्त वाहन द्वारा बिना किसी वैध दस्तावेज के धान का परिवहन किया जा रहा था जिस कारण से संयुक्त टीम द्वारा रात्रि में कार्यवाही की गई। ज्ञातव्य है कि जिले में धान खरीदी कार्यो को लेकर प्रशासन लगातार मुस्तैद है जांच एवं निगरानी के लिए बनाई गई संयुक्त टीम लगातार गड़बड़ी एवं अव्यवस्था की जाँच कर आवश्यक कार्यवाही कर रही है।

स्पेशल चार्टर प्लेन से रायपुर पहुंचे भारत और न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों का हुआ जोरदार स्वागत

- राजकीय गमछा पहनाकर किया गया खिलाड़ियों का स्वागत-अभिनंदन

रायपुर। गुरुवार की शाम करीब 6 बजे स्पेशल चार्टर प्लेन से रायपुर पहुंची। भारत और न्यूजीलैंड की क्रिकेट टीम का रायपुर एयरपोर्ट से लेकर होटल पहुंचने तक के पूरे रास्ते में खेलप्रेमियों ने क्रिकेटरों का स्वागत किया। होटल पहुंचते ही टीम इंडिया और न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों का स्वागत छत्तीसगढ़ के राजकीय गमछे से किया गया। खिलाड़ियों ने भी छत्तीसगढ़ के राजकीय गमछे को देर तक अपने कंधे पर सजाये रखा। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा, हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पांड्या, गेंदबाज

मोहम्मद सिराज, तेज गेंदबाज उमरान मलिक, विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन, बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर सहित कई खिलाड़ियों ने छत्तीसगढ़ के राजकीय गमछे को धारण किया। वहीं न्यूजीलैंड के खिलाड़ी भी राजकीय गमझे को पहनकर काफी प्रसन्न दिखाई दिए।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपरा को संरक्षित और उनको एक नई पहचान देने के लिए छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा, छत्तीसगढ़ के राज्य गीत का गायन, अतिथियों का राजकीय गमछा से स्वागत, तीज त्योहारों का परंपरा अनुसार विशेष रूप से आयोजन किया जा रहा है।

खाने में भी छत्तीसगढ़िया स्वाद पहली बार राजधानी रायपुर में आयोजित होने वाले इंटरनेशनल मैच की तैयारी में रायपुर का अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम तो पूरी तरह से तैयार है ही। मेहमान नवाजी के लिए रायपुर के होटलों में भी शानदार व्यवस्था की गयी है। खिलाड़ियों को छत्तीसगढ़िया स्वाद से भी परिचय कराया जायेगा। मिलेट्स सूप और मिलेट्स सलाद के साथ-साथ छत्तीसगढ़िया पारंपरिक स्वाद भी खाने में देखने को मिलेगा।

21 को है मैच, कल करेगी दोनों टीमें प्रैक्टिस- रायपुर के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 21 जनवरी को दुधिया रोशनी में मैच खेला जायेगा। ये पहला अंतर्राष्ट्रीय मैच है, लिहाजा स्टेडियम पूरी क्षमता के साथ भरी होगी। भारतीय टीम के हैदराबाद में फार्म को देखते हुए रायपुर में भी दिलचस्प मैच की उम्मीद है। इससे पहले शुक्रवार को दोनों टीमें प्रैक्टिस के लिए उतरेंगी।

पंचायत एवं नगरीय निकायों के वित्तीय व संगठनात्मक ढांचे को मजबूती देना वित्त आयोग का उद्देश्य : अध्यक्ष मिंज ने वित्त आयोग के पोर्टल और एप के बारे में दी जानकारी

- जन प्रतिनिधियों ने दिए सुझाव
- राज्य वित्त आयोग का स्थानीय पंचायत व निकाय के प्रतिनिधियों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित

रायगढ़। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आज छत्तीसगढ़ राज्य वित्त आयोग का स्थानीय पंचायत एवं नगरीय निकाय के प्रतिनिधियों के साथ संवाद कार्यक्रम संपन्न हुआ। आयोग अध्यक्ष सरजियस मिंज ने कहा कि राज्य वित्त आयोग गठन का मुख्य उद्देश्य पंचायती राज संस्थाओं एवं नगरीय निकायों की वित्तीय एवं संगठनात्मक ढांचे को मजबूती प्रदान करना है। जिससे वे सभी प्रकार की सेवाओं को बेहतर एवं सुचारू रूप से संचालित कर सके। उन्होंने बताया कि अब तक राज्य में इसके पूर्व तीन वित्त आयोग का गठन हो चुका है, वर्तमान में चतुर्थ वित्त आयोग का गठन हुआ है।

सचिव सतीश पाण्डेय ने सर्वप्रथम पंचायतो एवं नगरीय निकायों द्वारा आयोग द्वारा चाही व प्राप्त जानकारी पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि कुछ विकासखंड से जानकारियां प्राप्त हुई है। इसके अलावा जिन विकासखंडों से पंचायतो की जानकारी अपूर्ण है, उन सभी जनपद सीईओ को जानकारी अतिशीघ्र उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने पंचायत एवं नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों के लिए, रखी गई प्रश्नोतरी भरने को कहा कि ताकि पर्याप्त जानकारी उपलब्ध हो सके। इस दौरान उन्होंने पेंशन, पेयजल जैसे विभिन्न सुविधाओं से प्राप्त राशि एवं कार्यो के संपादन में व्यय राशि संबंधी जानकारी में आंकड़ों संबंधी त्रुटि को सुधार करने के निर्देश दिए। इसके अलावा पाण्डेय ने पंचायत एवं नगरीय निकाय के वित्तीय प्रबंधन से संबंधित संशोधन या सुधार हेतु सुझाव रखने को कहा। जिस पर पंचायत एवं नगरीय निकाय के सदस्यों ने अपना मत रखते हुए कहा कि पशु बाजार, बाजार, नगर प्रवेश जैसे विभिन्न माध्यमों से निकाय के राजस्व आय में वृद्धि की जा सकती है। जिससे पंचायत एवं निकायों को बेहतर ढंग से संचालित किया जा सकता है। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष निराकार पटेल,सभापति नगर निगम जयंत ठेठवार उपस्थित रहे।

संवाद कार्यक्रम के दौरान राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष सरजियस मिंज ने कहा कि आयोग सभी पंचायत एवं स्थानीय निकायों के सहयोग के लिए कार्य करता है, मिंज ने आयोग के पोर्टल और एप के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इसमें पंचायत एवं नगरीय निकाय बेहतर व सुसंगत तरीके से अपनी जानकारियां दर्ज करना सुनिश्चित करें, ताकि इससे राज्य सरकार को पंचायतो एवं नगरीय निकायों को राशि स्वीकृत करने में आसानी हो सके। इसके अलावा मिंज ने उपस्थित निकाय के प्रतिनिधियों से प्राप्त सुझावों को ध्यान से सुना एवं उनसे विस्तारपूर्वक चर्चा की।

कार्यक्रम में सीईओ जिला पंचायत अबिनाश मिश्रा, आयुक्त नगर निगम संबित मिश्रा, राज्य वित्त आयोग के संयुक्त सचिव जे.एस.विरदी, अनुसंधान अधिकारी सुश्री पायल गुप्ता, जिला पंचायत सदस्य संगीता गुप्ता, पुनीता पटेल, संजय देवांगन, रमेश भगत, विकास ठेठवार, समस्त नगर पालिका अध्यक्ष, नगर पंचायत अध्यक्ष, जनपद सीईओ एवं स्थानीय निकायों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

मंडियों में 8प्रतिशत दलाली के खिलाफ सब्जी उत्पादक किसानों ने खोला मोर्चा

- लिटिया में बोरी तहसील के सब्जी उत्पादक किसानों की बैठक

राजनांदगांव (आरएनएस)। जिले के सब्जी मंडियों में दलालों द्वारा किसानों से 8प्रतिशत कमीशन वसूलने के खिलाफ बोरी तहसील के सब्जी उत्पादक किसानों की अहम बैठक लिटिया के दुर्गा मंच में आयोजित हुई बैठक में आधा दर्जन गांव के लगभग 40 सब्जी उत्पादक किसान शामिल हुए, किसानों ने मंडी में दलालों द्वारा किसानों से 8त्न कमीशन वसूलने पर आपत्ति व्यक्त किया गया और इसके खिलाफ संघर्ष करने का निर्णय लिया गया, बोरी तहसील के सब्जी उत्पादक किसान मंडी में सुबह 5 बजे से कारोबार शुरू होने और 10-11 बजे बंद करने के समय को लेकर भी असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि मंडियों का कारोबार 8 बजे शुरू होकर 4 बजे तक चलना चाहिये ताकि किसान अपने उत्पादन के साथ स्वयं मंडी में उपस्थित रह सके, तहसील के सब्जी उत्पादक किसान इस बात के लिए भी आक्रोशित थे कि मंडी और जिला प्रशासन को लिखित में मांगपत्र देने के बाद भी उन्होंने किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज कर दिया, अपनी समस्या का शीघ्र निराकरण करने की मांग को लेकर फरवरी में बड़ा आंदोलन करने का निर्णय लिया है, बैठक में किसानों का मार्गदर्शन करने के लिये छत्तीसगढ़ प्रगतिशील किसान संगठन के राजकुमार गुप्ता, आई के वर्मा, संतु पटेल, जीवनदेन दिल्लीवार, अमृतलाल, पंचराम, मदनलाल विशेष रूप से मौजूद थे बैठक में लिटिया, सेमरिया, जोगीगुफा, पुरदा, हसदा, टेकापार, सिलतरा, सुखरीकला, फुण्डा आदि गांव के सब्जी उत्पादक किसान मौजूद रहे।

कोडिंग ओलंपियाड में शामिल होंगे छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों के 5000 बच्चे

- छत्तीसगढ़ शासन करा रहा है कोड-ए-थान ओलंपियाड
- चौथी कक्षा से लेकर नवमीं कक्षा के छात्रों में है कोडिंग की असीम संभावनाएं
- रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख 5 फरवरी 2023

रायपुर। तकनीक के महत्व और भविष्य में इसकी अनिवार्य आवश्यकता को देखते हुए छोटी कक्षाओं से ही छात्र कोडिंग के प्रति आकर्षित हो रहे हैं और इसमें महारत भी हासिल कर रहे हैं। कोडिंग को भविष्य की भाषा भी कहा जाता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशन में छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों के छात्रों में भी कोडिंग के प्रति जिज्ञासा बढ़ाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। स्कूली छात्रों को कोडिंग के प्रति उत्साहित करने के लिए, छत्तीसगढ़ शासन, हिन्दुस्तान टाइम्स के साथ मिलकर कोडिंग ओलंपियाड का आयोजन कर रहा है। इस ओलंपियाड को भारत के बड़े कोडिंग ओलंपियाड्स में से एक माना जाता है।

गेटिंग फ्यूचर रेडी की थीम पर कोडिंग ओलंपियाड में स्कूली छात्रों को सीखने (लर्न), शामिल होने (पार्टिसिपेट) और जीतने (विन) के मंत्र के साथ सरकारी स्कूलों के 5000 छात्रों को कोडिंग सिखाया जा रहा है। इस कोडिंग ओलिम्पियाड में शामिल होने छात्रों के लिए रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख 5 फरवरी 2023 है। ओलंपियाड में हिस्सा लेने के लिए छात्र www.htcodeathon.com वेबसाइट पर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। 23 फरवरी को छात्रों का क्वालिफायर राउंड और 23 फरवरी को ही छात्रों का फिनाले आयोजित होगा।

कलेक्टर डॉ. सिद्दकी ने फर्सवानी स्थित शासकीय स्कूल का किया निरीक्षण

- छात्रों को आगामी परीक्षा की तैयारी हेतु दिए सुझाव

सारंगढ़-बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ.फरिहा आलम सिद्दकी ने आज सारंगढ़ के ग्राम फर्सवानी स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने उपस्थित शिक्षकों से स्कूल में सभी विषयों के शिक्षकों की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली।

उक्त निरीक्षण के दौरान कलेक्टर डॉ. सिद्दकी ने क्लास में जाकर स्कूली बच्चों से बात की। उनका हालचाल पूछा और उनका उत्साहवर्धन किया। कलेक्टर ने बारहवीं कक्षा के बच्चों से अर्धवार्षिक परीक्षा में उनके द्वारा प्राप्त अंकों के बारे में पूछा, छात्रों ने जीव विज्ञान, रसायन शास्त्र, भौतिकी, गणित एवं अंग्रेजी आदि विषयों में अपने प्राप्तांक कलेक्टर को बताए। कलेक्टर डॉ. सिद्दकी ने कहा कि अभी जो परीक्षा परिणाम आए हैं, बोर्ड परीक्षा में इससे और बेहतर परीक्षा परिणाम आने चाहिए। उन्होंने छात्रों से कहा कि इस कक्षा से जो भी छात्र परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करेंगे, उन्हें पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। बच्चों ने उत्साह पूर्वक कलेक्टर के समक्ष अच्छे अंक लाने का आश्वासन दिया। तत्पश्चात् कलेक्टर डॉ. सिद्दकी ने विषयवार बच्चों से पढ़ाई से संबंधित उनकी समस्याएं पूछी, जिस पर छात्रों ने विषय विशेष के शिक्षकों की अनुपलब्धता के बारे में अवगत कराया, कलेक्टर ने बताया कि अभी 25 फरवरी तक जिन विषयों के शिक्षक स्कूल में उपलब्ध नहीं है, उनके लिए नोडल शिक्षक नियुक्त किए गए हैं जो स्कूलों में आकर उन विषयों को पढ़ाएंगे।

साथ ही कलेक्टर ने सभी विषयों के पाठ्यक्रम के पूरे होने की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। कलेक्टर डॉ. सिद्दकी ने सभी शिक्षकों से अध्यायों को रिवीजन कराने को कहा एवं छात्रों से भी कहा कि जिस अध्याय की पढ़ाई होगी उसके एक दिन पहले वह सभी उस अध्याय की तैयारी घर से करके आये। अंत में उन्होंने सभी बच्चों को आने वाली परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं देते हुए मन लगाकर पढ़ने को कहा। गौरतलब है कि कलेक्टर डॉ.सिद्दकी द्वारा लगातार जिले के विभिन्न स्कूलों का औचक निरीक्षण कर बच्चों को परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिले की शिक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने की दिशा में कलेक्टर द्वारा लगातार यह महती प्रयास किया जा रहा है ताकि स्कूली शिक्षा में नवगठित जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले का नाम राज्य स्तर पर सबसे ऊपर हो।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.डी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-221359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com, RNI NO :- CHHHIN/2018/76480